

प्रेषक,

सी० एस० नपलच्याल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

परिवहन आयुक्त,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

परिवहन अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 22 अप्रैल, 2016

विषय- रामनगर में अन्तर्राज्जीय बस अड्डे का निर्माण कराये जाने हेतु धनराशि स्वीकृत करने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम के पत्रांक-44 एच०क्यू०/एक्स-4 बस टर्मिनल/2016 दिनांक 24 फरवरी, 2016 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि रामनगर में अन्तर्राज्जीय बस अड्डे का निर्माण कराये जाने के संबंध में प्रथम चरण के प्रतिक्रियात्मक कार्यों के लिए आगणन की आंकलित धनराशि ₹35.90 लाख को वित्त विभाग की टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण धनराशि ₹13.65 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ₹13.33 लाख की धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में व्यय करने हेतु निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- स्वीकृत धनराशि आयुक्त परिवहन, उत्तराखण्ड द्वारा कोषागार से आहरित करते हुए एक सप्ताह के भीतर उत्तराखण्ड परिवहन निगम को उपलब्ध करा दी जाय।
- 2- जिस कार्य हेतु धनराशि अवमुक्त की जा रही है उसकी डी०पी०आर० शीघ्रता से तैयार करते हुए दो माह के भीतर शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।
- 3- स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग करने के उपरान्त उपयोगिता प्रमाण-पत्र योजना की डी०पी०आर० प्रस्तुत किये जाने के समय शासन को उपलब्ध करायी जानी सुनिश्चित की जायेगी। तत्पश्चात् योजना के द्वितीय चरण की स्वीकृति पर कार्यवाही की जायेगी।
- 4- (i) कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
(ii) कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
(iii) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
(iv) कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली-भाँति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात् दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।
(v) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
(vi) यदि विभिन्न मदों हेतु स्वीकृत धनराशि अवशेष रहती है, तो उक्त धनराशि द्वितीय चरण के आगणन में समायोजित की जाय।
(vii) कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(viii) प्रथम चरण के कार्य हेतु यदि किसी अन्य समरूप कार्य हेतु पूर्व में कराई गई डिजाइन/मानक, पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से विषयगत कार्य हेतु प्रयोग की जा सकती है या वर्तमान कार्य में एक भाग की डिजाइन/मानक, पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से विषयगत कार्य हेतु प्रयोग की जा सकती है, तो मितव्ययता की दृष्टि को ध्यान में रखते हुये तदनुसार कार्यवाही की जाये।

(x) द्वितीय चरण के विस्तृत आगणन को प्रेषित करते समय यह प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न किया जाये कि "प्रथम चरण के प्रस्तावित कार्य पूर्ण हो चुके हैं।"

5- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के लेखानुदान में अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक 5055-सड़क परिवहन पर पूंजीगत परिव्यय 00-आयोजनागत 050-भूमि तथा भवन 13-रामनगर में अन्तर्राज्यीय बस अड्डे की स्थापना 24-वृहत निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 08/XXVII(2)/2016 दिनांक 13 अप्रैल, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(सी0 एस0 नपलच्याल)
सचिव।

संख्या- 26 /2016/81/IX/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- महालेखाकार, आडिट, वैभव पैलेस-ब-1/105 इन्द्रानगर, देहरादून।
- 3- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, 23-लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
- 4- प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम, देहरादून।
- 5- कोषाधिकारी, साईबर ट्रेजरी, देहरादून।
- 6- जिलाधिकारी, नैनीताल।
- 7- आहरण वितरण अधिकारी, परिवहन आयुक्त कार्यालय, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 8- वित्त नियंत्रक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम मुख्यालय देहरादून।
- 9- वित्त अनु.-2।
- 10- नियोजन अनुभाग।
- 11- एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 12- गार्ड फाईल।

आज्ञा से
(प्रकाश चन्द्र जोशी)
उप सचिव।